भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई) ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में अपनी एक नई पहल, एफ.एस.के.ए.एन. (खाद्य सुरक्षा ज्ञान सम्मिलन तंत्र) की शुरुआत की, जो खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्र में वैज्ञानिक सहयोग का ढाँचा होगा। कार्यशाला में देश भर से 100 से अधिक वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला में खाद्य सुरक्षा और गुणता की उन कमियों की भी पहचान की गई, जिनमें शोध करने की आवश्यकता है। इस तंत्र से देश भर में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों संबंधी सूचना के आदान-प्रदान और समन्वय के माध्यम से एक वैज्ञानिक ढाँचा तैयार करने में सहायता मिलेगी।

इससे पूर्व रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से एफ.एस.एस.ए.आई को खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्य करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं से 90 अनुसंधान प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। प्राप्त प्रस्तावों में से 44 परियोजनाओं की प्रथम चरण की संस्थागत जाँच के लिए पहचान की गई। इन प्रस्तावों पर कार्यशाला में पाँच समूहों में चर्चा की गई, जब प्रत्येक परियोजना में शोधकर्ताओं ने अपने प्रस्तावों पर प्रेजेंटेशन दिया। विस्तृत चर्चा के बाद प्रत्येक ग्रुप ने एफ.एस.एस.ए.आई के उद्देश्यों और जिम्मेदारियों के अंतर्गत आने वाली और इस कारण वित्तपोषित की जाने वाली परियोजनाओं की पहचान की। ₹ 5 करोड़ के परिव्यय वाले 13 शोध प्रस्तावों का वित्तपोषण के लिए अनुमोदन किया गया।

इससे प्राधिकरण की जिम्मेदारियों के अंतर्गत आने वाली सूचनाओं और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के माध्यम से वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, अनुसंधान संस्थाओं, शोध वित्तपोषण एजेंसियों और उद्योगों के आरएंडडी का सहयोग लेने, मित्र समुदाय का सृजन करने तथा संयुक्त परियोजनाओं और उत्तम रीतियों के क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। कार्यशाला में खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध को चित्रित करते हुए तंत्र के रूप में एफ.एस.के.एन पहल का लोगो भी जारी किया गया।